हम तो हर मावस आते तेरे अस्नान में भजन लिरिक्स

हम तो हर मावस आते,
तेरे अस्नान में,
तुम भी आ जाना बाबा,
अंतिम प्रस्थान में,
तुम भी आ जाना बाबा,
अंतिम प्रस्थान में।bd।

तर्ज – तुम झोली भरलो भक्तो।

जब जब स्नान तुम्हारा आता,
खाटू धाम आ जाते-२.
श्याम स्नान का अमृत जल हम,
अपने घर को लाते-२,
इस जल को धारण करते,
जब पीड़ा होवे प्राण में,
तुम भी आ जाना बाबा,
अंतिम प्रस्थान में,
तुम भी आ जाना बाबा,
अंतिम प्रस्थान में।bd।

हर मावस और ग्रहण के अवसर,
होता स्नान तुम्हारा-२,
मंदिर प्रांगण में खड़े होकर,
देते हम जयकारा-२,
भजन सुनाए मिलकर सारे,
तेरे सम्मान में,
तुम भी आ जाना बाबा,
अंतिम प्रस्थान में,
तुम भी आ जाना बाबा,
अंतिम प्रस्थान में।bd।

अटल स्नान है आपके बाबा,
सारा जग बतलाता-२,
इनको कोई बदल न सकता,
तुम ही तो हो विधाता-२,
झंडा लहराये तेरा,
तेरे अस्नान में,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तुम भी आ जाना बाबा,
अंतिम प्रस्थान में,
तुम भी आ जाना बाबा,
अंतिम प्रस्थान में।bd।

जन्म हुआ जब “राधेश्याम”का,
नहलावे दादी दाई-२,
शादी में अस्नान कराया,
फिर नहाया गंगा मांई-२,
अंतिम अस्नान हो जब,
तुम आना मेरे मकान में,
तुम भी आ जाना बाबा,
अंतिम प्रस्थान में,
तुम भी आ जाना बाबा,
अंतिम प्रस्थान में।bd।

हम तो हर मावस आते,
तेरे अस्नान में,
तुम भी आ जाना बाबा,
अंतिम प्रस्थान में,
तुम भी आ जाना बाबा,
अंतिम प्रस्थान में।bd।

भजन रचयिता -राधेश्याम जी वत्स।
(नांगलोई दिल्ली) 9968876415

Video Not Avaialable

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com